दयानन्द महाविद्यालय विभिन्न भाषाओं में 'काव्य-पाठ' प्रतियोगिता का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 नवम्बर : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के हिन्दी विभाग द्वारा विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका ककड़ की अध्यक्षता में विभिन्न भाषाओं में 'काव्य-पाठ' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों ने हिन्दी, पंजाबी, उर्दू व हरियाणवी भाषाओं में लगभग 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने मनोभावों को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। हिन्दी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा देवांशी ने प्रथम स्थान, बी.एमसी. प्रथम वर्ष की छात्रा गुल ने द्वितीय स्थान तथा बी.एमसी. द्वितीय वर्ष के छात्र रजत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उर्दू कविता में बी.एमसी. द्वितीय वर्ष के छात्र सुमित ने प्रथम स्थान, हरियाणवी कविता में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रियंका ने प्रथम स्थान, पंजाबी कविता में बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र विशाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना विजेता होने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ये प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को उनकी अपनी विशिष्ट प्रतिभा से परिचित कराने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करती है कि जिसके माध्यम से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि व अभिव्यक्ति में कुशलता हासिल हो सके। प्रतियोगिता के समापन पर डॉ. संगीता शर्मा ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा, संस्कार व प्रतिभा का समान विकास होना चाहिए व इसके लिए लगातार प्रयासरत रहना चाहिए तभी जीवन में निखार आएगा। इस अवसर पर निर्णालय मण्डल की भूमिका प्रो. सीमा चौधरी, डॉ. सुमन बाला, प्रो. अमरनाथ ने निभाई। मंच का संचालन डॉ. माया के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, डॉ. निर्मला, प्रो. संतोष, प्रो. पूनम कुमारी तथा बहुत सारे विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दयानन्द महाविद्यालय में स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में पंचदिवसीय कार्यक्रम विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है जिसके तीसरे दिन श्लोकोच्चारण व भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने अपनी गौरवमयी उपस्थिति से विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के जीवन पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। हिन्दी व संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका कक्कड़ ने अपने बहुमूल्य विचारों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। संस्कृति और संस्कृत के पोषक स्वामी दयानन्द

सरस्वती के महानतम कार्यों को याद किया। मंत्र और श्लोक के भेद को स्पष्ट किया। इस अवसर पर संयोजक की भूमिका डॉ. अर्चना मलिक व मंजू शर्मा ने निभाई व सहायक की भूमिका में श्री विवेक जी रहे। निर्णायकमण्डल की भूमिका डॉ. चाँदनी व डॉ. शालू व पूनम कुमारी ने निभाई। मंच संचालन डॉ. सुमनबाला व श्री हिम्मत जी ने किया। इस अवसर पर अपने श्लोकोच्चारण से स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के वेदमयी जीवन व भजनों से उनकी महिमा का यशोगान किया। श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में कृष्णा, कमलकान्त और सुमित ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। भजन प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कृष्णा ने प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र कृष्ण ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र ममोक्षु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ लगभग सभी विभागों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

हिन्दी, अंग्रेजी, हरियाणवी, पंजाबी में काव्य पाठ व संस्कृत में श्लोकोच्चारण में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभाएं

नभ-छोर न्यूज ⏭ 31 अक्टूबर

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हिन्दी, अंग्रेजी, हरियाणवी, पंजाबी में काव्य पाठ व संस्कृत में श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संयोजिका डॉ. मोनिका ककक्ड़ के नेतृत्व में सह संयोजिका डॉ. यशुतायल, डॉ. संगीता शर्मा व उनके सहयोगियों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने मनोभावो को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। हिन्दी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में विधि, बीएससी तृतीय वर्ष नें प्रथम स्थान, दिव्यांशी, बीएससी तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान, आशीष, बीए प्रथम वर्ष ने तृतीय व लक्ष्य कुमार बीएससी तृतीय वर्ष ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। अंग्रेजी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में गुल, बीएमसी प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पंजाबी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में हिमांशु, बीएससी तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में कृष्णा, बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम, प्रिंसी, बीए प्रथम वर्ष ने द्वितीय, कमलकान्त बीए द्वितीय वर्ष ने तृतीय व लक्ष्य, बीएससी तृतीय वर्ष ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। हरियाणवी कविता में नवदीप, बीएससी तृतीय ने प्रथम, प्रियंका, एमए अंग्रेजी ने द्वितीय, गजेश, बीएमसी तृतीय ने तृतीय ने व खुशी, बीए प्रथम वर्ष ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना विजेता होने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ये प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को उनकी अपनी विशिष्ट प्रतिभा से परिचित कराने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करते है जिसके माध्यम से उनके भीतर आत्मविश्वास में वृद्धि व अभिव्यक्ति में कुशलता हासिल हो सके। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इन प्रतियोगिताओं का विशेष महत्व है। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल की भूमिका सीमा चैधरी, डॉ. सुमन बाला व डॉ. माया ने निभाई। मंच संचालन पूनम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हिम्मत सिंह, अमरनाथ, दीपक, डॉ. राजकुमार, सुरेन्द्र सिंह, संतोष व किरण आदि उपस्थित थे।

सरल

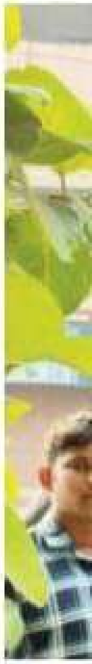

नभ-
हिसार
मोर्चा
वल्ल
जयंती
स्थित
पर मा

MO TOR
SPO RTS

हिन्दी काव्य पाठ

उद्यमेन हि कार्याणि सिध्यन्ति ॥
परिश्रम से ही कार्य सफल होते है।
प्रियवचने का दरिद्रता।
प्रिय वचन बोलने में कैसी दरिद्रता।
नास्ति मातृसमो गुरु।
विद्याधन सर्वधनेषु प्रधानम्
माता शत्रुः, पिता बैरी, येन बालो न पाठितः।
यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवताः।
बलवान् जननीस्नेहः।
गरीयसी गुरोः आज्ञा।
गुरुजी की आज्ञा महान होती है अतः प्रत्येक मनुष्य को उसका पालन करना चाहिए।

लोकाः समस्ताः
सुखिनो भवन्तु
Let the entire world be happy
सारा संसार सुखी रहे।
दैवो दुर्बलः घातकः।
अर्थ - भाग्य भी निर्बलों को
ज्यादा दुख देता है।
गुणाः सर्वत्र पूज्यन्ते।
अर्थ → गुणों की सब जगह पूजा
होती हैं।
सूक्ति
||बिद्याधनं सर्वधनेषु
प्रधानम् ||
आलस्यं हि मनुष्याणां
शरीरस्थो महानरिपुः।

महर्षि वाल्मीकि
चाणक्य
कालः पचति भूतानि कालः संहरते प्रजाः ।
कालः सुप्तेषु जागर्ति कालो हि दुरतिक्रमः
कालिदास
वाल्मीकि

आदि गुरु
शंकराचार्य
चाणक्य
महाराज
शंकराचार्य
जी
चाणक्य
महर्षि
रामायण
शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

07:42
94%
Save
Dance
Vocal • Fine Arts
10th
UNIVERSITY
YOUTH
FESTIVAL
8:15
25:34
Share
Like
Comment

हिन्दी एवँ संस्कृत

प्रदर्शनी स्थल
स्वदेशी मेला 2023
Pansari
GROUP
Sehat Aapki, Vaada Humara

प्रदर्शनी स्थल
स्वदेशी
मेला 2023
प्रदर्शनी स्थल
स्वदेशी
मेला 2023
Sehat Aapki, Va
Pansari
GROUP

STAFF ROO